जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

ऊर्जा मंत्री ने की विद्युत आपूर्ति की समीक्षा

उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति करने के निर्देश

जयपुर, 3 जुलाई। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी एवं मानसून में देरी के कारण विद्युत की मांग 1600 लाख यूनिट प्रतिदिन हो गई है। मांग की तुलना में उपलब्धता 1450 लाख यूनिट होने से 150 लाख यूनिट प्रतिदिन की कमी बनी हुई है। मांग एवं उपलब्धता के अन्तर को कम करने के लिए एग्रेसिव बिडिंग करके उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति के प्रयास किये जा रहे है।

ऊर्जा मंत्री डा0 जितेन्द्र सिंह ने मंगलवार को विद्युत भवन में आयोजित बैठक में विद्युत की उपलब्धता एवं आपूर्ति की समीक्षा की तथा कहा कि गत वर्ष जुलाई माह में विद्युत की मांग 1239 लाख यूनिट प्रतिदिन को देखते हुए इस वर्ष 1369 लाख यूनिट प्रतिदिन मांग का अनुमान लगाया गया था एवं इस मांग के अनुसार विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की हुई थी परन्तु समय पर मानसून नही आने के कारण मांग में वृद्धि हुई है।

ऊर्जा मंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आज भी राजस्थान में बिजली की आपूर्ति अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर है, जबकि उत्तर भारत के कई राज्यों में घंटों बिजली की कटौती हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता बिजली की पर्याप्त आपूर्ति कर आमजन को राहत पहुंचाना है।

डा0 सिंह ने कहा कि राज्य में बढती हुई गर्मी के मध्यनजर लोगों को परेशानी नही हो इसके लिए बिजली कटौती एक साथ नही करके दो पारियों में करने के निर्देश पूर्व में दिए हुए हैं, इसके अनुसार सुबह 6 से 12 एवं अपरान्ह 12 से सांय 6 बजे के बीच डेढ–डेढ धंटे की कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि बहुत ही आवश्यकता पड़ने पर ग्रिड की फ्रिक्वेंसी को देखते हुए कुछ समय के लिए आवश्यकतानुसार औद्योगिक क्षेत्रों में भी रात्रि के समय कटौती की जावेगी।

ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून की देरी को देखते हुए आगामी महिनों के लिए आकस्मिक कार्य योजना बनाकर राज्य सरकार को शीघ्र भिजवाया जावे।

समीक्षा बैठक में ऊर्जा सचिव श्री नरेशपाल गंगवार, विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष कुंजी लाल मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

———

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 323/2012